an>

Title: Need to set up sugar, timber and food-processing industries in Shrawasti and Balrampur districts of Uttar Pradesh.

श्री दद्दन मिश्रा (श्रावस्ती) ः मैं सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र के जनपद श्रावस्ती की ओर आकृष्ट कर रहा हूं जो अति पिछड़ा जिला है। भारत-नेपाल की सीमा पर बसा यह जनपद विकास की असीम संभावनाओं को समेटे हुए हैं, लेकिन केन्द्र सरकारों की लगातार उपेक्षा से इस जिले में आज तक कोई ऐसा उद्योग स्थापित नहीं हो सका है जिससे स्थानीय जनता को रोजगार मिले और क्षेत्र के संसाधनों का सही उपयोग किया जा सके। श्रावस्ती जिले में गन्ना की खेती बृहद रूप से होती है, श्रावस्ती का गन्ना बहराइच, बलरामपुर, बढ़नी, चिलवरिया, कैसरगंज, तुलसीपुर, नानपारा नेपाल तक जाता है। यदि श्रावस्ती में गन्ना मिल की स्थापना होती है तो किसानों को दूर-दराज तक अपना गन्ना बेचने नहीं जाना पड़ेगा, सही समय पर मिल को गन्ना मिलेगा और किसानों को गन्ने की सही कीमत समय से मिलेगी।

वन क्षेत्र की अधिकता के कारण श्रावस्ती और बलरामपुर दोनों जिलों में लकड़ी की प्रचुर मात्रा है, अतः लकड़ी आधारित उद्योग भी श्रावस्ती और बलरामपुर की दशा और दिशा बदलने में भारी सहायक होगा। संसदीय क्षेत्र श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों में न तो भूमि की कमी है और न ही श्रमिकों की कमी है, जल भी प्रचुर मात्रा में जमीन के अंदर मौजूद है। उद्योग धंधे के लिए आवश्यक सभी अनुकूलता के बावजूद केन्द्र सरकारों की इच्छाशक्ति में कमी ने आज तक श्रावस्ती और बलरामपुर को पिछड़े क्षेत्र से आगे जाने में मदद नहीं की है। अतः मैं भारत सरकार से अपील करता हूं कि सक्षम टीम से सर्वे करवाकर बलरामपुर और खासकर श्रावस्ती में चीनी उद्योग/लकड़ी उद्योग/फूड प्रोसेसिंग उद्योग आदि की स्थापना करवाने की कृपा करें।